भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1696

बुधवार 8 दिसम्बर, 2021 को उत्तर देने के लिए

विदेशी सहायता

†1696. श्री जी. एम. सिद्देश्वर :

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को देश में अनुसंधान कार्यक्रम/परियोजना चलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय समझौतों के माध्यम से विदेशी सहायता प्राप्त हुई है;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान प्राप्त विदेशी सहायता का ब्यौरा क्या है; और

(ग) प्राप्तकर्ता संस्थानों/निकायों पर दाताओं द्वारा लगाई गई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष शर्तों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) और (ख): विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में कोई विदेशी सहायता विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग तथा वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा अनुसंधान कार्यक्रमों / परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए अंतरराष्ट्रीय करार के माध्यम से प्राप्त नहीं हुई है।

पिछले तीन में से प्रत्येक वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) को प्राप्त विदेशी सहायता का ब्यौरा अनुलग्नक में दिया गया है।

(ग): डीबीटी के तहत प्राप्तिकर्ता संस्थानों/निकायों पर दानदाताओं द्वारा लगाई गई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष शर्तों का विवरण इस प्रकार है-

ज्यादातर, विदेशी सहायता कार्यक्रम/परियोजना विशिष्ट सहयोग करार द्वारा अधिशासित होती है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं;

(i) वित्तपोषण के तौर-तरीकों, कार्यक्रम की अवधि, परियोजना कार्यान्वयन गतिविधियों, मील के पत्थर, डेटा प्राप्ति/अंशदान प्रकार, रिपोर्ट, परियोजना निगरानी गतिविधियों आदि के संबंध में विभिन्न नियम और शर्तें ।

(ii) प्राप्तिकर्ता संस्थानों को गैर-लाभकारी और भारत में स्थित होना अपेक्षित है।

(iii) सभी निष्कर्ष फंडिंग एजेंसी को प्रस्तुत किए जाने हैं ।

(iv) फंडिंग को प्रकाशनों और पेटेंटों में विधिवत स्वीकार किया जाना चाहिए।

<u>08.12.2021 के लिए लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1696 के भाग (क) और (ख) का अनुलग्नक</u>

पिछले तीन में से प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान प्राप्त विदेशी सहायता का विवरण निम्नानुसार है:

(i) विभाग ने बायोमेडिकल रिसर्च करियर प्रोग्राम (बीआरसीपी) की स्थापना के लिए 2008 में वेलकम ट्रस्ट, यूके के साथ भागीदारी की। कार्यक्रम का प्रबंध "डीबीटी/वेलकम ट्रस्ट-इंडिया एलायंस" द्वारा किया जाता है। यह कार्यक्रम प्रारंभिक, मध्यवर्ती और वरिष्ठ स्तरीय शोधकर्ताओं को भारत में बेसिक बायोमेडिकल या क्लिनिकल एंड पब्लिक हेल्थ में अपने शोध और अकादमिक करियर को सुव्यवस्थित करने के अवसर प्रदान करता है।

पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान वेलकम ट्रस्ट, यूके से डीबीटी/वेलकम ट्रस्ट-इंडिया एलायंस को प्रदान की गई सहायता नीचे दी गई है:

राशि *(लाख रु. में)*			
2018-19	2019-20	2020-21	2021-22 (आज तक)
5,000	5,987	6,587	--

(ii) राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन को कैबिनेट द्वारा मई 2017 में कार्यान्वयन के लिए अनुमोदित किया गया था, जिसकी कुल लागत 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर थी और इसमें 50% सहनिधीयन विश्व बैंक का था। कार्यक्रम का मिशन बायोफार्मास्युटिकल्स में भारत की प्रौद्योगिकी और उत्पाद विकास क्षमताओं को ऐसे स्तर पर तैयार करने की पारिस्थितिकी को समर्थ और पोषित करना है जिससे अगले दशक में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा की जा सके, और किफायती उत्पाद विकास के माध्यम से भारतीय जनता के स्वास्थ्य मानकों को परिवर्तित किया जा सके।

पिछले 3 वर्षों और चालू वर्ष में राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के कार्यान्वयन के लिए जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) को प्रदान की गई कुल सहायता नीचे दर्शायी गई है, जिसमें से 50% की प्रतिपूर्ति विश्व बैंक द्वारा की जाती है:

राशि *(लाख रु. में)*			
2018-19	2019-20	2020-21	2021-22 (आज तक)
14,500	15,000	30,000	--

(iii) विभाग और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ), भारत और बाकी दुनिया के लोगों के हित के लिए वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय अनुसंधान को सहायित करने पर सहयोग करने के लिए 2012 में एक साथ आए थे। कार्यक्रम बीआईआरएसी द्वारा प्रबंधित है और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ), यूएसए से समान अंशदान प्राप्त करता है। 2016 में, वेलकम ट्रस्ट ने कार्यक्रमों में अंतरणीय अनुसंधान पर जोर देने के लिए पीएमयू-बिराक के साथ साझेदारी भी की।

पिछले तीन मे से प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान विदेशी सहायता का विवरण इस प्रकार है:

राशि *(*लाख रु. में*)*			
2018-19	2019-20	2020-21	2021-22 (आज तक)
39.82	39.67	37.06	0.73

(iv) विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों/परियोजनाओं के माध्यम से जैव प्रौद्योगिकी विभाग के स्वायत्त संस्थानों द्वारा प्राप्त विदेशी सहायता नीचे दी गई है:

स्वायत्त संस्थान	राशि *(*लाख रु. में*)*			
	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22 (आज तक)
डीबीटी-राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान (एनआईपीजीआर), नई दिल्ली	55.83	15.26	38.80	शून्य
डीबीटी-ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद	1707.22	1285.43	301.57	67.61
डीबीटी-राजीव गांधी जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (आरजीसीबी), तिरुवनंतपुरम	168	150	167	194
डीबीटी-सेंटर फॉर डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नोस्टिक्स (सीडीएफडी), हैदराबाद	79.36	शून्य	शून्य	शून्य

*****